

→ दीराल कृतयोपेध्याय को ७ में पाणिनी का जन्म है 1890 "८७ व्याकरण" की रचना की है.  
जॉर्ज ग्रिगोरिन - A Grammar of Chattisgarh dialect

→ ७ की प्रथम कवि शास्त्र के रूप में - धनी धर्मदास

→ ७ की प्रथम कवि रचयिता नरसिंह दास वैष्णव जिन्होंने 1904 में ८७ की उच्च शिक्षा  
मिलित करिना "शिवायन" रचना की. शिवायन को ८७ की आधुनिक या रचना माना जाता है.

→ 1982 में खेमराज महोत्रा ने "८७ शब्दकोश एवं मुद्रा" का संकलन किया.

∴ 2009 में Pt. सुब्रह्मण्य शर्मा पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

→ चंद्रकुमार चण्डीकर द्वारा "20,000 शब्दों का शब्दकोश" संकलन किया था.

→ ८७ में प्रथम कवि लिखने की परम्परा Pt. सुब्रह्मण्य शर्मा ने किया था.

"८७ दानदीप" - 1924 ई.

जोत वलिका (कृष्ण वन्य रचयिता वलिका), कुलरवा, अव्यास-पहलक चरित्र, व्युत्पत्ति  
शुभ शमायन - ८७ भाषा में शब्दावली, कर्कण च्यौरी, सीतापतिवय

→ गद्य रचना व प्रथम नाटक की रचना → प. ज्योति प्रसाद पाण्डे (८७ साहित्य का भीष्म पितामह)

"1905 - कलिकाल (८७ में प्रथम नाटक)", भुतनामंडल, दंमित्र - अव्यास  
किराती का काठ रमण, गुली का बिलखेल (पुरातन संतत्व)

→ द्वितीयगदी उपन्यास "दीरु को कहिनी" 1926 ई. → वंशीधर पाण्डेय (I उपन्यासकार)

→ प्रथम कहानी "शुद्धी गईया" - सीताराम मिश्र

→ प्रथम निबंधकार - केदार भूषण

II निबंध - राष्ट्रीय ग्राहण के दिग्दर्शन, उपन्यास - कुटुंब कर्म.

I रविशंकर शंकर पुरस्कार प्राप्तकर्ता.

→ प्रथम महिला कवित्री या महिला साहित्यकार - निरुपमा शर्मा. (सोनावर्ष)

Book - पतरौनी, वृंदोका सागर.

→ खगोल लेखन का प्रारंभ → गणेश कोठारी

→ गीत लेखन का प्रारंभ → हरिकाकुर, गीत : सूरता के थपेन, लय धनीमहा, गणेश  
II प्रथम कवि 'व्यत-शर' के गीत में रचना" इ.प्रो. रफी

→ प्रथम नायक (राजकीय) - I प्रथम कवि "कहि देवे संदेश" का गीत लिखा. मनु नायक

→ ८.५ गीत की प्रसिद्धि देने वाले → लहमल मल्हुरिहा

मोर सों चलो रे → मोर दया भुज्यं

शब्द - चंदनी गौदा, एमु वंश भुज्या के, माली कूटे कटार से,  
में धत्रीसठाडिय ह्व रे, गवर्डी गांत.

→ प्रथम महाकाव्यकार - प्रथम जी - श्रीराम कथा, श्रीकृष्ण कथा, श्रीमहाभारत कथा.

→ ८.५ में हिंदी साहित्य :-

साहित्य / गद्य लेखन का प्रारंभ → गोपाल सिफ ने किया

↳ शक्सिंह के दरवारी कवि (रत्नपुर, <sup>के शला</sup> कुरुक्षेत्र)

↳ ८.५ का बालगीति

↳ हिंदी के प्रथम सार्वभौम कवि.

स्थान → खूब तमझा, जमिनी अश्वमेध, सुदामा यज्ञ, भक्त शिवांगि, रामप्रताप.

रामप्रताप गोपाल सिफ की अल्पवयी कवि के; इसे उनके सुकृत भारतन सिफ ने पूरा किया

✓ → ८.५ में धार्यावाद के प्रवर्तक → मुकुंदधर पाण्डेय

८.५ के प्रथम साहित्यकार,

I 1915 → प्रथम श्री, कृति → कुरी के अर्थ, भेरा इदयान, गुला के फूल, गैलबला, लय

पहली प्रकाशित कविता → स्वदेश

✓ → गवामन माधव मुक्तिबोध को अक्षरमन कवि के नाम से जाना जाता है,  
८.५ समाचार पत्र के जनक

\* प्रथम शमीतात्मक साहित्यकार : विनय कुमार पाठक → ८.५ साहित्य के साहित्यकार

धान का कटारा, एक डख एकैय शाखा, इतीसखी लोककला, रमावती भक्त कनकचंद्र

\* ८.५ के विधायक - रामदायाल तिवारी - गांधीमिमांसा

\* उयामलाल परमार → खूजन नई गैरे, कतर भर धूप, मतवाले

→ कुकुर उदय सिंह चौहान → देरदेरा

→ लखन कवि → शोसला वडा प्रशान्त

→ मेथनी प्रसाद पांडेय - कहेरी (कहं रचना).

भारतेन्दु साहित्य समिति → विनासपुर

८.५ प्रथम भाषा आयोग, हिन्दी साहित्य परिषद (2006) → शायपुर

पद्मलाल पुनालाल वरुनी, सुकृष्णदास साहित्य संस्थान → गिलाई

वतायन साहित्य एवं विचार मंत्र → दुर्ग

साकेत साहित्य परिषद → रावमंदीरा

हिंदी साहित्य में शारंगधर का लगे "आश्रित" की खोज देने वाले हैं  
→ हकीमी प्रसाद खिरी

कृत्यक नृत्य पर केंद्रित पहला शासकीय ग्रंथ (नर्तन सर्वस्व), तालबल पुष्पाकर, तालतांत्रिक (32 पृष्ठ)  
संग्रहण भंडारण; कृत्यक नृत्य का विवरण (मूरज वर्ण पुष्पाकर)  
शय्या - अलकापुर, भायाचक्र, रसमरास, वैराग्या रावकुमार, काव्यकान्ठ (अ), जोश करदत निगाहे फरदत (उई)  
तबला वादक आ. 1939 लॉर्ड लिनलिथगो के स्वागत में तबला पर संगीत. ले संगीत सम्राट श्री आश्रित दी.  
महरी प्रसाद खिरी की आर्थिक सहायता, Raigrah में चक्रवर्त समारोह आयोजन. → महाराज नरकर सिंह (Raigrah) 19 अक्टू 1905

आधुनिक लघु के 1 कवि → लोचन प्रसाद पाण्डे  
शय्या - दोमिरे (आव्यास), किराई का काव्यरतन, मुक्ती का शिलालेख (पुरातन संबंधी निबंध)  
कलिकाल शिलालेख (लघु में लिखा 1 नाटक), 1909-10 लोकगाथाओं का संग्रह प्रकाशित.

श्यामलदी आलमधारा के लनक (by लगन्नाथ प्रसाद) → मुकुटधर को  
आलमधारा की पहली कविता - कुशी के प्रति; पहली प्रकाशित कविता - रवेरा; काव्यालय मेवदत - लघु में आनुवाद.  
रवा के छल, शैलवाण, लक्ष्म, मेरा इस्थान

अंतर्गत कवि कवि → गजानन भावत मुक्तिबोध  
सर्वी - चर्चित कविता (ब्रह्म रावत) अनुवाद अनेक भाषाओं में; ~~सर्वी~~ कविता संग्रह - चांदे का मुहं देता है, शूरी-शरी रवमक पूर  
कथा संग्रह - काठ का सपना, विषाद; निबंध - अमावसी एक उर्वरिभार, नई कविता का आलमसप्यंकी  
एक साहित्यिक की शयरी, भारतीय शिल्पस एवं सस्कृति.

इदं शास्त्र का प्रमेर → लगन्नाथ प्रसाद "भानु"  
सर्वी प्रसिद्ध ग्रंथ - इदं प्रभाकर, काव्य प्रभाकर; अनंतरत्न पुस्तक - रबुसरा खिरी के विहार.

दिनमान पत्रिका का संपादन, R.S सदस्य → पत्रिकाएं वसी  
कविता संग्रह - भगवत (साहित्य अकादमी पुरस्), भायाचक्र  
कवनी - शास्त्री अंगद, एर, दूसरे वेंर  
अध्यास - दूसरी बार, अकतल्य, लघुक

आश्रित की उत्पन्न हेतु कार्य, इनके माप पर पर्यावरण सरतण पुरस्कार → गदिरागुरु (रामेश्वर, कंठर वगवर्ध)  
1918 में रायपुर नगरपालिका में दर्ज का कार्य, 1930-42 सत्याग्रह में मजबूती → वाधवाई  
1932 लोचनय अकादमी गोरखपुर  
1910 काबपुर अधि. में लिखा, 1921 खिलखिलकत कमेटी में मनी, पांच पंजव ले एक, → मुंशी अब्दुल रक (नकुल)  
सभी स्वतंत्रा सांगोलन में लिखा

I रंगीन व साहित्यिक सफल किम - मोर दय्या मुईया; निर्देशक सतीश रेंग; 5 गां में विचार वाते वकी  
दिली इरदशन हारा → 2 फिलमों का निर्माण → हरेली & लोडिक चंदो  
R.P फिलम हारा → लघु फिलम फेयर इकी भी परवरा  
सर्वश्रेष्ठ किम - मोर दय्या मुईया  
"वीपी लाइव" → आंकर दास मानिकपुरी

# विलासपुर में I वैरिस्टर

रचना - "हार्नेड में स्वाधीनता का इतिहास", साप्ताहिक पत्रिका → कर्मवीर

→ वैरिस्टर देवीलाल (अकलतल)

लोकप्रिय → तामनरात हारवे (रायपुर)

C.G का आंधी, C.G के युग प्रबुद्ध कवि, C.G में राष्ट्रिय जागरण के यज्ञदान → सुन्दर लाल शर्मा (चमत्तर, रायपुर)

रचना → C.G वानदी (रबडकाल्य), कुरुका पञ्चीरी, रायग-प्रेम कीमूवा

F → हियलाल, M → देवगरी

नाटक → प्रह्लाद बसिन, धृतराष्ट्र का प्रथम | बिन्दुविद्या विद्यालय, श्रुतानुष्ठान कीर्तन, C.G रामलीला, सत्संगी अन्वयमाला

इप्लायस → सच्चिदा सरदार, भारत में आंग्रेजी राज्य

पत्रिका → दुलरवा (भाषिक पत्रिका), जेल पत्रिका (पत्री कृष्ण लज्जा शर्मा पत्रिका)

28 Jan 1956 - C.G महामात्र, 1967 - C.G भातृसंध → रतुवयदे वय्यल (पञ्चरी गांव, रायपुर)

रचना - कचो नीच, C.G का स्वाभिमान, इनके नाम पर स्त्री सम्मान

कल्प छद्म, वेदो विद्या, लेखन कला

First I.C.S of C.G, क्रिकेट रिबलरी C.K. Nayak पारी → रामानुज प्रताप (बेकुण्डपुर, कर्मिया)

अकाल पत्रे पर कर्म से यावत

श्रुतान आंदोलन चलाया, शरान वनी, भूरी नोटने का प्रवर्धन → राजमोहनी देवी (सरलेका, सरभुवा)

रामकृष्ण मठ व रामकृष्ण मिशन के अद्वैत (स्वामी विखानंद) से श्रुतान → स्वामी आत्मानंद (मुलेन)

Raipur - रामकृष्ण विवेकानंद आश्रम, ग्रंथों से विवेकानंदी का प्रकाशन, माहिषा जनि उद्यम, विरवाय नाटक-प्रवर्धन (जी. छिटा)

Narayana → रामकृष्ण आश्रम

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान C.G के प्रथम शहीद → वीर नारायण सिंह (विशंकर जनि. सोनारबल)

10 Dec 1857, जयलोक - लॉक

C.G का मंगल पण्डे, C.G का सुभात-उड़ोस, सैफि विज्ञान → हनुमान सिंह रावत

22 Jan 1858 काली

C.G में सत्कर्मिता आंदोलन के जनक, 1909 राजनंद सरस्वती पुस्तकालय, 1920 BNC, 37 (6) छतल → का. च्यारेल (वेदान, रायनगारा)

1923 श्रुतान सत्कार, 1930 पुरा मठ दो, 1937 - C.G महाविद्यालय (I महाविद्यालय)

राजवन्दु नामक समाचार पत्र का संपादन व प्रकाशन

समई कवि स्वामी रामदास → दास वीर (जराही) → हिंदी में अनुवाद; निलक के गीता रहस्य (जराही) → हिंदी में अनुवाद

"स्वदेशी आंदोलन और वायकॉट", "वेदा की दुर्दशा", "लम बोले का रहस्य", C.G मित्र → माधव राव सप्रे

1900 I भाषिक पत्रिका

आधुनिक M.P का निर्माता; Raipur - प्रथमकृष्ण महासभा, मासिक पत्रिका प्रथमकृष्ण उद्यम

रचना → "आयरलैंड का इतिहास", महाकौशल (साप्ताहिक / दैनिक पत्र)

→ शक्तिशाली शक्ति

प्रयास से Nagpur में High Court की स्थापना → ई. रायवेन्द्र (काशी नगर)

महंत लक्ष्मी नारायण दास व Raipur से 4 बार विधायक

C.G में आंधिया प्रसार के अग्रदूत; विवेकवर्धन आश्रम की स्थापना; सामाजिक, सारकर्म जासूस के प्रवर्धन → यतिशतन लाल

I महिला सारंग (सारंग, जयपुर, महासभुंदा से 2-3), मुंगोली के दूतों के समय आंध्य प्रवर्धन

11 Aug 1972 → Bhopal - Delhi (पालक हार्क अउडे) पर मृत्यु → प्रिमीमाला (मीनाली, जयपुराश्रम)

II विश्वयुद्ध में पत्रकारिता के रूप में लिखना शुरू, 9 Olympic, 3 Asian game के Reporter → चंद्रलाल अशोक

आंधी के हृदय के साथ, दैनिक हिंदुस्तान में अन्वयक

लाल साहित्यकार → नारायण लाल परमार

कर्म, गंगा, त्रिके. प. हेमचंद्र → बाबू रंगाराम "रस" → शमाश्रमेय

नये अभूत बरसभन, नरग ले डोल कस, सुभा एमर संगतारी, समोती के बर, सोन पाकर → लखनलाल भूत  
यल लुसलो

पुरा भर लई, भोलव राम भोलव बनिस, राम बनवस, खोरवधरा तोल गांधी कनासो, सैतकीन सुरतचरी → श्यामलाल अत्रवैदी  
पभोर खोर

भुइया के पाछिस चूंदी → शवेड विवारी

एमरे भीतर सब कुदई, कौबा ले गे कल → महेश्वर  
एमरे भौवा

सुसुसुसु कुररी सुरता ले, तिरिम वनम इन दे, सासो की दस्तक, गोस्ती के गोठ → पालेश्वर शर्मा  
सुति सागो

मोला गुरु बनई लेते, अइती, सुबह की लखा → नरेंद्र वर्मा अरपा वैरी के धार, का के उद्विनास  
मोअसु थ

सियानी गोठ, कजवा संवर्षी, दू मिताम → केंद्रभू वलित  
सिकपू

वैरी के बिना, एव-कुरा, हर मौसम मे इदं खिरकुंगा → दानेश्वर शर्मा  
बलहर

नौकर की कमील, जय हंदे, वह आइमी यल जया, लगभग, खिलेगा तो खिलेगा, खेवर में एक खिलकी रहती थी → किनोद कुमार गुल

पदो किसान लो किसान → रामपतली  
पदो-वदो

पुल भरे अचरा → विद्याभूषण  
पुल

मोहरा, रंदिप्या, प्यका के अलोरे → शिव शंकर शर्मा  
मोरदि

तिकेने चोहरे, उल्ले उल्ले के पंदे, लोसरे वंद की कथा → ललीक गांधी  
तिइती

गांधीगीत, कुदकाही, सुरलगीत, उवकतगीत, पंचवीरि शोचन गीत → क्षारिका प्रसाद निवही 'विपु'

सोमल विहाव के गीत → मुकुंद कौशल  
सोमल विहाव

कुरतुरगोठ, गोठ कहां सोरियावन है → लुधराम  
गुगो

डहर के आँ, डहर के फूल, सीता की अछि परीला → कविलनाथ

रानी शीघस → केदारनाथ ठाकुर

एक प्राचीन का अथा → लखनलाल

सोमल विहाव → मुरली मुशंकर  
सोमल विहाव

चिगरी के फूल → रवेन पाठक  
चिगरी

साँपी → जमुना ; चिहरी → आंशु ; गोठ → आंशु ; का सुतान → गिरवर ; आना → परदेसी

रत्ना → परस ; झा-इती → परमानंद ; निवरी लेले तौर आग → लत्री ; का भाग राष्ट्रीय अदभ्यन चवांहर

राम राज्य (नरक) → मलिक राम त्रिवेदी ; रक टोकरी भर चिहरी-ई छिटी भी पदती कसनी → माधव राव कपो

रामायण स्तर संग्रह (Book) → गंगाधर त्रिपाठ

का लोक साहित्य का अध्ययन → दयाशंकर जौल